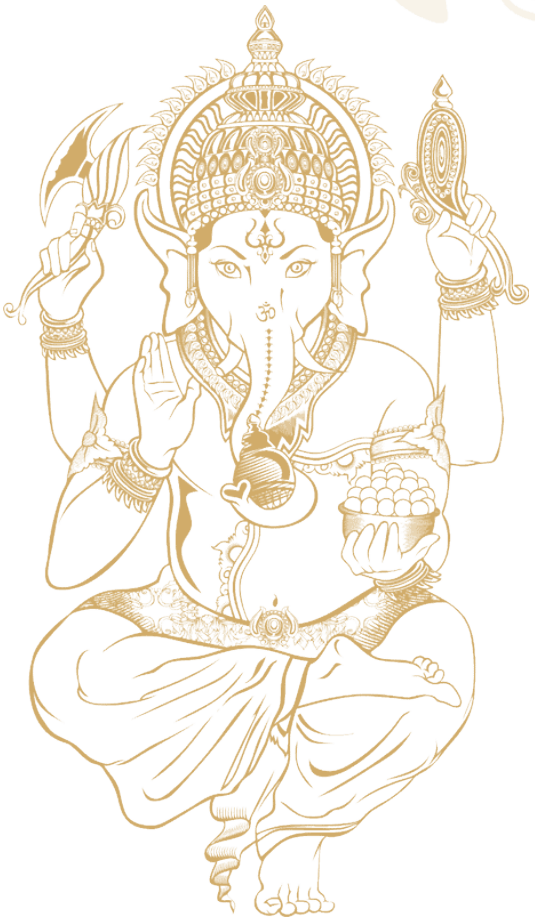

Yash

22 Nov 2006

03:45 AM

Sardarshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121908002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/11/2006**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:45:00 घंटे**
इष्ट	51:54:37 घटी
स्थान	**Sardarshahr**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	74:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:13:00 घंटे
वेलान्तर	00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	07:16:05 घंटे
सूर्योदय	06:59:09 घंटे
सूर्यास्त	17:36:27 घंटे
दिनमान	10:37:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	05:30:30 वृश्चिक
लग्न के अंश	22:47:21 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सुकर्मा
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	22:47:21	316:19:09	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	05:30:30	01:00:38	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	17:07:32	12:45:33	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल		अ	तुला	26:03:05	00:41:42	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध			तुला	16:23:46	00:37:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु		अ	वृश्चि	05:32:29	00:13:20	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	11:48:43	01:15:20	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
शनि			सिंह	00:55:45	00:01:35	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	29:01:23	00:12:29	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	29:01:23	00:12:29	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:51:24	00:00:05	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:14:02	00:00:48	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	01:36:49	00:02:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	23:35:51	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:13

लग्न-चलित

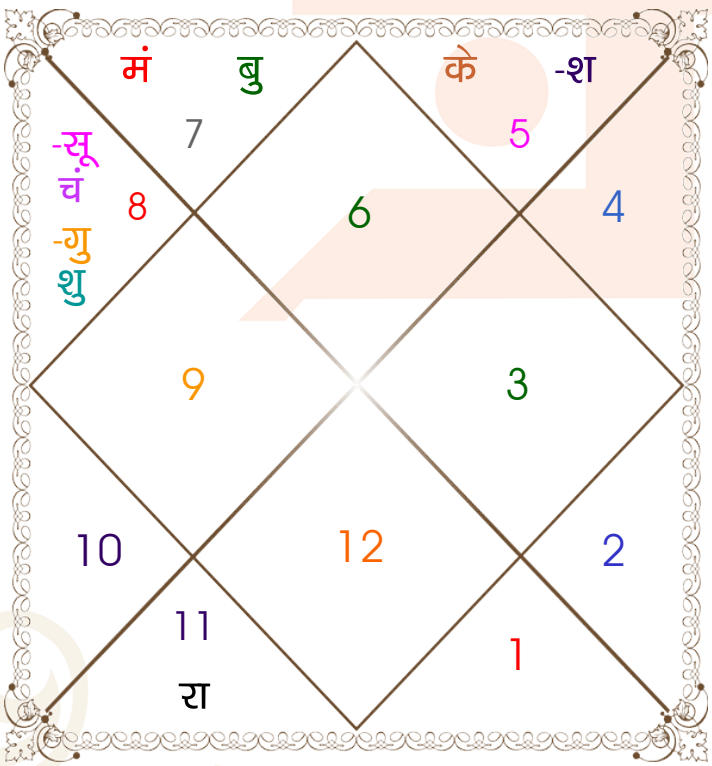

चन्द्र कुंडली

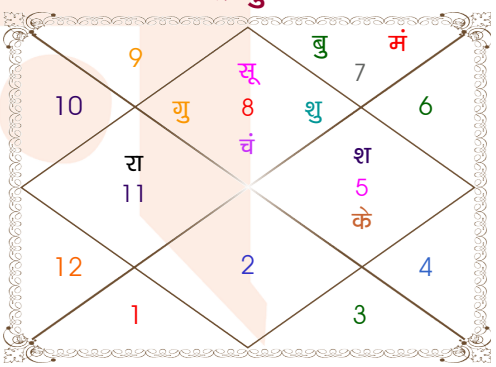

नवमांश कुंडली

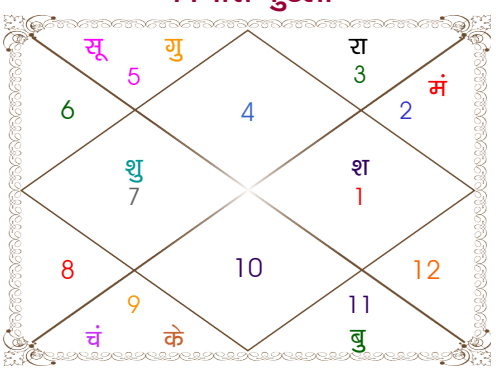

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 4 मास 29 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/11/2006		22/04/2023		22/04/2030		22/04/2050		21/04/2056	
22/04/2023		22/04/2030		22/04/2050		21/04/2056		22/04/2066	
बुध	18/09/2008	केतु	18/09/2023	शुक्र	21/08/2033	सूर्य	09/08/2050	चंद्र	20/02/2057
केतु	15/09/2009	शुक्र	17/11/2024	सूर्य	22/08/2034	चंद्र	08/02/2051	मंगल	21/09/2057
शुक्र	16/07/2012	सूर्य	25/03/2025	चंद्र	21/04/2036	मंगल	16/06/2051	राहु	23/03/2059
सूर्य	22/05/2013	चंद्र	24/10/2025	मंगल	22/06/2037	राहु	10/05/2052	गुरु	22/07/2060
चंद्र	22/10/2014	मंगल	22/03/2026	राहु	21/06/2040	गुरु	26/02/2053	शनि	20/02/2062
मंगल	19/10/2015	राहु	10/04/2027	गुरु	20/02/2043	शनि	08/02/2054	बुध	22/07/2063
राहु	07/05/2018	गुरु	16/03/2028	शनि	22/04/2046	बुध	15/12/2054	केतु	21/02/2064
गुरु	12/08/2020	शनि	25/04/2029	बुध	20/02/2049	केतु	22/04/2055	शुक्र	21/10/2065
शनि	22/04/2023	बुध	22/04/2030	केतु	22/04/2050	शुक्र	21/04/2056	सूर्य	22/04/2066

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/04/2066		22/04/2073		22/04/2091		23/04/2107		23/04/2126	
22/04/2073		22/04/2091		23/04/2107		23/04/2126		00/00/0000	
मंगल	18/09/2066	राहु	03/01/2076	गुरु	09/06/2093	शनि	26/04/2110	बुध	23/11/2126
राहु	07/10/2067	गुरु	28/05/2078	शनि	22/12/2095	बुध	03/01/2113		00/00/0000
गुरु	11/09/2068	शनि	03/04/2081	बुध	29/03/2098	केतु	12/02/2114		00/00/0000
शनि	21/10/2069	बुध	22/10/2083	केतु	04/03/2099	शुक्र	14/04/2117		00/00/0000
बुध	18/10/2070	केतु	08/11/2084	शुक्र	03/11/2101	सूर्य	27/03/2118		00/00/0000
केतु	17/03/2071	शुक्र	09/11/2087	सूर्य	23/08/2102	चंद्र	26/10/2119		00/00/0000
शुक्र	16/05/2072	सूर्य	03/10/2088	चंद्र	23/12/2103	मंगल	04/12/2120		00/00/0000
सूर्य	21/09/2072	चंद्र	04/04/2090	मंगल	28/11/2104	राहु	11/10/2123		00/00/0000
चंद्र	22/04/2073	मंगल	22/04/2091	राहु	23/04/2107	गुरु	23/04/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 4 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।